बुधवार
13 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4

सर्दियों में सावधानी से करें रूम हीटर का इस्तेमाल

पृष्ठ 5

एनिमल में कम स्क्रीन टाइम देकर भी तृप्ति डिमरी रातों-रात बनीं नेशनल क्रश

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 299
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं।

– सत्यसाई बाबा

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

संसद की सुरक्षा में फिर बड़ी चूक

दर्शक दीर्घा से लोकसभा सदन में कूदे दो युवक

❑पटाखें फोड़े, धुंआ-धुंआ हुआ सदन
❑दोनों युवक गिरफ्तार, पूछताछ जारी
❑सदन के अंदर युवकों ने की नारेबाजी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। आज देश के संसद भवन में उसे समय अफरा-तफरी मच गई जब शून्य काल के दौरान अचानक दो युवक दर्शक दीर्घा से कूद कर लोकसभा सदन में आ गए, कोई कुछ समझ पाता तब तक वह नारेबाजी करते हुए सांसदों की टेबलों को कूदते हुए अध्यक्ष की कुर्सी की ओर बढ़ने लगे। जिन्हें बाद में किसी तरह सांसदों ने घेर लिया तो उन्होंने स्मोक क्रेकर का इस्तेमाल कर सदन में धुआं धुआं कर दिया। घबराए सांसद अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर दौड़ते दिखे। सुरक्षा कर्मियों ने जब इन दोनों को पकड़ लिया तब कहीं जाकर लोगों ने चैन की सांस ली। गिरफ्तार युवकों से अब दिल्ली पुलिस और आईबी के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं लेकिन संसद की सुरक्षा में हुई इस चूक को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ऐसा लगता है कि हमने 2001 के संसद हमले से भी कोई सबक नहीं लिया है। इस घटना के बाद लोकसभा की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आज संसद के बाहर और अंदर दो ऐसी घटनाएं सिर्फ 10 मिनट के अंतराल पर घटित हुई। जब नए संसद भवन के ट्रांसपोर्ट भवन की ओर वाले गेट पर एक युवक और एक युवती ने अचानक नारेबाजी शुरू कर दी और स्मोक क्रेकर के जरिए लाल पीले और काले रंग का धुआं छोड़ा गया। इन दोनों ही युवक व युवती द्वारा तानाशाही नहीं चलेगी के नारे भी लगाए गए। इन दोनों को ही सुरक्षा कर्मियों द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक युवती का नाम नीलम है जो महाराष्ट्र की बताई जा रही है। जबकि युवक का नाम अनमोल है।

इस घटना के ठीक 10 मिनट बाद लोकसभा की दर्शक दीर्घा में एक युवक ने सदन में छलांग लगाई और वह सांसदों की टेबलों से कूदता हुआ पीठ की तरफ दौड़ने लगा। इसके तुरंत बाद एक अन्य युवक दर्शक दीर्घा से कूदा और वह भी पीठ की ओर नारेबाजी लगाता हुआ दौड़ा। इस घटना से सदन में अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। कुछ सांसदों ने इन्हें पकड़ने की कोशिश की तो कुछ अपनी जान का खतरा भांपकर इधर-उधर भागने लगे। सांसदों से अपने आप को घिरा देख युवक ने अपने जूते से कुछ निकाला और देखते ही देखते सदन में पीले रंग का धुआं धुआं भर गया। इसी बीच सुरक्षाकर्मियों ने दोनों युवकों को दबोच लिया और उन्हें पार्लियामेंट थाने ले गए जहां दिल्ली

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

संसद की सुरक्षा की कलई खुली

नई दिल्ली। एक बार आज फिर जिस तरह से संसद हमले की 22वीं बरसी पर संसद की सुरक्षा में चूक का यह बड़ा मामला सामने आया है उसमें भले ही जान माल का कोई नुकसान न हुआ हो लेकिन संसद जिसे सबसे सुरक्षित स्थान माना जाता है उसकी सुरक्षा कितनी चाक चौबंद है इसकी कलई खुल गई है। जिस तरह से यह युवक लोकसभा सदन तक पहुंच गए ऐसे में कितनी बड़ी कोई अनहोनी घटना संभव थी इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इसके लिए कौन जिम्मेवार है? यह एक बड़ा सवाल है। संसद भवन में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश कैसे संभव हुआ उन्हें कहां से पास प्राप्त हुए जबकि बिना किसी सांसद के अनुमोदन के पास नहीं बन सकता ऐसे तमाम सवाल है जिनका जवाब जरुरी है।

इजरायली सेना ने गाजा में हमास के सुरंगों में पानी भरना शुरू किया !

नई दिल्ली। इजराइल ने गाजा पट्टी के सुरंगों से हमास के आतंकियों को बाहर निकालने के लिए अब खतरनाक तरीका अपनाना शुरू कर दिया है और वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया है, कि इजरायली सेना ने गाजा में हमास के सुरंगों में समुद्री पानी डालना शुरू कर दिया है। अमेरिकी मीडिया ने बताया है, कि इस प्रक्रिया में कई सप्ताह लगने की संभावना है। एबीसी न्यूज ने बताया, कि फिलहाल सुरंगों में सीमित मात्रा में पानी डाला जा रहा है, ताकि बाढ़ के पानी पर नियंत्रण रखा जा सके और स्थिति और पानी डालने के प्रभावों का मूल्यांकन भी किया जा रहा है। इजराइल की सेना ने रिपोर्टों पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं दी है। इजरायली रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, बाइडेन प्रशासन के कुछ अधिकारियों ने कहा है, कि यह प्रक्रिया सुरंगों को नष्ट करने में मदद कर सकती है, जहां इजराइल का मानना घ्हैस कि आतंकवादी समूह बंधकों, लड़ाकों और हथियारों को छिपा रहा है।

मध्य प्रदेश में मोहन यादव ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के नए सीएम मोहन यादव ने आज मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हुए बता दे की भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें डिप्टी सीएम के रूप में जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल ने भी प्रधानमंत्री के सामने शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह से पहले यह माना जा रहा था कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के साथ ही कई कैबिनेट के मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। लेकिन मंत्रियों पर सहमति नहीं बनने के कारण अब मंत्रियों की शपथ बाद में होगी। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से कम को चुकाने माना जा रहा है कि जिस प्रकार से कम को लेकर चौंकाने वाला नाम सामने आने के बाद प्रदेश में लगातार मंत्री रहने वाले विधायकों की धड़कन बढ़ गई है। ऐसी संभावना है कि मध्य प्रदेश के मंत्रिमंडल में भी चौंकाने वाले नाम सामने आ सकते हैं। सुगबुगाहट यह है कि लंबे वक्त से भाजपा सरकार में मंत्री रहने वालों की इस बार छुट्टी कर दी जाएगी। सीनियर विधायकों को भी मौका मिलने के आसार कब नजर आ रहे हैं उनकी जगह पर नए युव चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। प्रदेश के सियासी गलियारों में सिंधिया समर्थकों को लेकर काफी चर्चा है। दरअसल, पिछली सरकार में प्रद्युम्न सिंह तोमर, बृजेंद्र यादव, गोविंद सिंह राजपूत, प्रभुराम चौधरी, तुलसीराम सिलावट यह सभी सिंधिया समर्थक मंत्री थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

भाजपा की दूरगामी रणनीति

बिना रणनीति के कोई भी लड़ाई नहीं जीती जा सकती। युद्ध का मैदान हो या राजनीति का अखाड़ा, अगर रणनीतिक कौशल और साहस नहीं है तो आपकी हार भी सुनिश्चित है। पांच राज्यों में अभी संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मुख्यमंत्री के चेहरों की घोषणा नहीं की थी। जबकि उसके पास एक से बढ़कर एक अनुभवी नेताओं की फौज मौजूद थी। मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित न किए जाने को लेकर क्या कारण था उस वक्त सिर्फ नेता कयास ही लगा सकते थे लेकिन अब जब राजस्थान मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सभी उन तीन राज्यों में जहां भाजपा को जीत मिली है सत्ता का ताज किस-किस के सर सजेगा तय होने के बाद भाजपा के नेताओं को समझ आ सका है कि चुनाव पूर्व सीएम के चेहरे घोषित क्यों नहीं किए गए। इसके पीछे भाजपा की सोच सिर्फ पार्टी की आंतरिक कलह को दमित करना ही नहीं था बल्कि एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संदेश देना और 2024 के लोकसभा चुनावों की रणनीतिक तैयारी का मजबूत आधार प्रदान करना था। राजस्थान में भाजपा ने पहली बार चुनाव जीतने वाले भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर पार्टी कार्यकर्ताओं को यह बता दिया है कि राजनीति में सब कुछ संभव है एक छोटा सा कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री बन सकता है। स्वाभाविक तौर पर इस बड़े फैसले से पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बड़ा होगा। देश की राजनीति में आमतौर पर जो चंद पुराने नेता सत्ता पर अपना वर्चस्व बनाए रखने के आदी हो चुके हैं अगर उन्हें पार्टी कभी बदलने की कोशिश भी करती है तो वह बगावत पर उतर आते हैं तथा पार्टी को तोड़ने में नहीं हिचकते। राजस्थान में भी बीते 25 सालों से यही होता चला आ रहा है एक बार अशोक गहलोत तो दूसरी बार वसुंधरा राजे सिंधिया। लेकिन इस बार वसुंधरा राजे सिंधिया की जगह पहली बार चुनाव जीतकर विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने इस परंपरा को तोड़ डाला है। पिछली बार कांग्रेस ने भी कोशिश की थी लेकिन गहलोत की हटधर्मिता के आगे उसे घुटने टेकने पड़े थे भाजपा ने सामाजिक संतुलन साधने के लिए यूपी वाले फार्मूले पर हर राज्य में इस बार दो-दो उपमुख्यमंत्री भी बनाए हैं। यही प्रयोग भाजपा ने छत्तीसगढ़ में भी किया है जहां पहली बार एक आदिवासी विष्णु देव साय को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया है भाजपा को पता है कि छत्तीसगढ़ में 32 फीसदी आबादी आदिवासी है। मध्य प्रदेश में उलट-पुलट कर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज रहने वाले शिवराज सिंह चौहान भी वसुंधरा राजे की तरह खुद को सीएम बनाने की उम्मीद लगाए बैठे थे लेकिन भाजपा ने उनके दीर्घकालिक शासन का अंत करते हुए मोहन यादव को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया है। भाजपा ने इस बड़े राजनीतिक प्रयोग को यूं ही नहीं किया इसका एक बड़ा संदेश यह भी है कि कोई भी बड़ा नेता यह भ्रम में न रहे कि उसके लिए कुर्सी रिजर्व है। वही नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने का काम सिर्फ भाजपा ही कर सकती है। यह बताने की कोशिश भी भाजपा ने अपने इन फैसलों के माध्यम से की है। 2024 के चुनाव के लिए भाजपा ने 18 से 35 आयु वर्ग के उन युवाओं को आकर्षित करने का कार्यक्रम भी तैयार किया है जो भाजपा के वोटर नहीं है लेकिन मोदी की नीतियों के मुरीद है। अपने युवा सम्मेलनों के जरिए भाजपा उन्हें अपने करीब लाने की रणनीति पर काम कर रही है। तथा इस रणनीति को प्रभावी बनाने की दृष्टिकोण से उसने राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में सीएम के चेहरे बदले हैं। जो काफी जोखिम पूर्ण है लेकिन यह पूर्व मुख्यमंत्री भी अच्छी तरह जानते हैं कि इन राज्यों में जो जीत मिली है वह पीएम मोदी के चेहरे पर ही मिली है इसलिए उनके विरुद्ध जाने का मतलब अपने ही पैरों में कुल्हाड़ी मारना होगा। देखना होगा कि इस नई रणनीति का भाजपा को 2024 के चुनाव में कितना फायदा हो पाता है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने लालतप्पड के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 70 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम अमन पुत्र ब्रहमानंद निवासी शिव कालोनी माजरी बताया। वहीं नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने नई बस्ती पुल के पास से एक युवक को 54 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम सैनिक नाथ पुत्र केवल नाथ निवासी सपेरा बस्ती भानियावाला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ध्वस्रयोः पुरुषन्त्योरा सहस्राणि दद्महे।
तरत्स मन्दी धावति।।
(ऋग्वेद ९-५८-१)

हे परमेश्वर ! हमें पाप को नष्ट करने और मानवता के उत्थान के लिए हजार प्रकार का सोम रस प्राप्त हो जिससे कि हम अपनी ज्ञान शक्ति और कर्म शक्ति का विकास कर सकें।

हरबंस कपूर की द्वितीय पुण्यतिथि पर नशा मुक्ति जागरूकता दौड़ का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. हरबंस कपूर की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति में नशा मुक्ति जागरूकता दौड का आयोजन किया गया जिसको कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने हरि झण्डी दिखाकर रवाना किया।

आज यहां अम्बेडकर स्टेडियम कौलागढ़ में हरबंस कपूर चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. हरबंस कपूर की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति में नशा मुक्ति जागरूकता दौड़ प्रतियोगिता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने हरी झण्डी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में देहरादून के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों, कॉलेजों एवं भारतीय जनता पार्टी के 1500 के करीब कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने स्व. हरबंस कपूर की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मंत्री गणेश जोशी ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज जिनकी स्मृति में हम लोग यहां आये हैं। स्व. हरबंस कपूर का हाथ पकड़कर मैने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की और एक लम्बे समय तक उनकी कार्यशैली को देखते हुए उत्तराखण्ड के अनेकों कार्यकर्ताओं ने कार्य किया। स्व. कपूर हमेशा युवाओं के बीच रहकर उन्हें नशे की आदतों को छोड़ने के लिये प्रेरित करते रहते थे।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड भाजपा के वरिष्ठतम विधायकों में से एक हरबंस कपूर ने अनेक संघर्षों से पार्टी संगठन को खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मंत्री ने कहा वह हमेशा ही बच्चो के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के लिए प्रयासरत रहे।

गणेश जोशी ने कहा मैं आज जो भी हूं, सब स्व. कपूर के आशीर्वाद से हूं। उन्होंने कहा स्व.हरबंस कपूर की सियासी व्यवहार कुशलता उन्हें दूसरों से अलग करती थी। प्रदेश के हित में दिए गए उनके योगदान के लिए उन्हें सदैव स्मरण किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने दौड़ कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

इस दौरान नेहा जोशी ने कहा कि आज हमारी पार्टी राज्य में जहां खड़ी वहां तक पहुंचाने में स्व. कपूर का विशेष योगदान रहा और लगातार 8 बार तक विजय रहना हमारी कल्पना से भी बाहर है उनकी सादगी आज भी जनता के दिलों में राज करती है। इस अवसर पर कैंट विधायक सविता कपूर, ओ.पी कुलश्रेष्ठ, भाजयुमो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी, एम.एस मंडल अध्यक्ष सुमित पाण्डे, प्रेमनगर कांवली मंडल अध्यक्ष अन्जू बिष्ट सहित कई लोग उपस्थित रहे।

ग्रामीण डाक सेवकों की अनिश्चित कालीन हडताल दूसरे दिन भी जारी

संवाददाता

देहरादून। अपनी मांगों के निस्तारण ना होने पर डाक सेवकों की मुख्य डाकघर में अनिश्चित कालीन हडताल दूसरे दिन भी जारी रही।

आज यहां डाक सेवक घंटाघर स्थित मुख्य डाकघर में अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के बैनर तले अनिश्चित कालीन हडताल दूसरे दिन भी जारी रही। इस वक्ताओं का कहना था कि विभाग के द्वारा कमलेश चन्द्र की सकारात्मक सिफारिशों को आज तक पूर्ण रूप से लागू न करने एवं विभिन्न समस्याओं का समाधान न होने के कारण अन्तः जीडीएस/पीजेसीए के केन्द्रीय संघ ने निर्णय लिया है कि एआईजीडीएसयू/एनयूजीडीएस संघ को अपनी न्यायोचित मांगों के प्रति बाध्य होकर देश व्यापी अनिश्चित कालीन हडताल की जायेगी।

उन्होंने बताया कि उनकी मांग है कि ग्रामीण डाक सेवकों का कार्य समय 4-5 घंटा से बढाकर 8 घंटा किया जाये। उन्होंने कहा कि कमलेश चन्द कमेटी की सिफारिशों के अनुसार समयबद्ध (टाईम बॉण्ड) 12, 24, 36 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर एक जनवरी 2016 से अति शीघ्र लागू किया जाये। उन्होंने कहा कि सामूहिक बीमा कवरेज की धनराशि को पांच लाख तक बढाई जाये। उन्होंने कहा कि एसडीबीएस योजना में ग्रामीण डाक सेवकों को तीन प्रतिशत के बजाय दस प्रतिशत किया जाय एवं सभी सेवा निवृत्त जीडीएस को तदर्थ पेन्शन दी जाय। उन्होंने कहा कि सभी प्रोत्साहन योजनाओ/प्रणालियों को समाप्त करें और जीडीएस द्वारा किये गये सभी कार्यो से सम्बन्धित जैसे आईपीपीबी, पीएलआई, बचत योजनाओं और एम जी एन आर ई जी धएस को उनके कार्य भार मूल्यांकन में शामिल किया जाये। दूसरे दिन धरने पर बैठने वालों में सुभाष पंवार, राजकुमार मधवाल, मोहन सिंह रावत, वन्दना गुरूंग, प्रतिभा पन्त, टीकानामर नौटियाला आदि शामिल थे।

दुष्कर्म पीड़िता ने किया आत्महत्या का प्रयास, महिला आयोग की अध्यक्ष ने दिये जांच के निर्देश

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। रुड़की में दुष्कर्म पीड़िता के द्वारा कोर्ट परिसर में जहरीला पदार्थ खाने की घटना के बाद महिला आयोग की अध्यक्ष ने मामले में स्वतः संज्ञान लिया है मामले में जानकारी मिली है कि रुड़की निवासी दुष्कर्म के बाद महिला लगभग 5 माह पूर्व गर्भवती हो गई थी। जिससे पीड़ित महिला द्वारा गर्भपात के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिसकी कोर्ट में तारीख चल रही थी, इसलिए आज वह अपने परिजनों के साथ कोर्ट परिसर में तारीख पर आई थी। जहाँ उसने कोई जहरीला पदार्थ खाया था।

मामले में उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने संज्ञान लेते हुए तत्काल जानकारी ली और पीड़िता के स्वास्थ्य की जानकारी के लिए सिविल अस्पताल रुड़की में डॉक्टर वंदना भारद्वाज से बात की जिन्होंने बताया है कि अब पीड़िता खतरे से बाहर है बहुत मुश्किल से नली डालकर उसका जहर बाहर निकाला है।

वहीं मामले में आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने एसएचओ गंगनहर रुड़की से वार्ता करते हुए उक्त मामले जांच के आदेश दिए है जिसपर एसएचओ ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को बीते 9 नवंबर को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया था। जो कि अभी जेल में है। वहीं पीड़िता का एक मुकदमा गर्भपात के लिए कोर्ट में विचाराधीन है, जिसमें वह सुनवाई के लिए आई थी। इसी दौरान पीड़िता ने आत्महत्या का प्रयास कर लिया है।

उक्त मामले में महिला आयोग ने गंभीरता से जांच व आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए है साथ ही उन्होंने पीड़िता की काउंसलिंग कराने के लिए भी निर्देशित किया है।

चकोतरा, आंखों की रोशनी बढ़ाने के साथ-साथ गठिया रोग में हैं फायदेमंद

संतरे और नींबू के परिवार से संबंध रखने वाला चकोतरा फल औषधीय गुणों से भरपूर होता है। ये बाहर से पीला और अंदर से लाल होता है। प्रसाद के तौर पर छठी मां को डाभ नींबू का अर्पण किया जाता है। बदलते मौसम में डाभ नींबू किसी वरदान से कम नहीं है। इसे खाने से कई मौसमी बीमारियां दूर होती हैं।

डाभ नींबू के फायदे

वेट लॉस में फायदेमंद: चकोतरा विटामिन ए और विटामिन सी से भरपूर होता है और इसमें पानी की मात्रा भी अधिक होती है। इसमें कैलोरी बहुत कम होती है इसलिए ये वेट लॉस के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है।

जरूरी पोषक तत्व: विटामिन के अलावा चकोतरा मैग्नीशियम, पोटैशियम और डायटरी फाइबर से भरपूर होता है। इसके सेवन से सारे जरूरी पोषक तत्व मिल जाते हैं और शरीर अंदर से सेहतमंद रहता है।

ऊर्जा से भरपूर: डाभ नींबू का जूस पीने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिल जाती है और सारी थकावट दूर हो जाती है। इसके अलावा ये पेट की गर्मी और जलन की समस्या को भी दूर करता है।

आंखों के लिए फायदेमंद: गुलाबी और लाल चकोतरा में बीटा कैरोटीन होता है जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। हर दिन एक चकोतरा खाने से आंखों की समस्या दूर होती है। ये आंखों की रोशनी भी बढ़ाने का काम करता है।

विटामिन सी से भरपूर: डाभ नींबू विटामिन सी से भरपूर होता है और हड्डियों को नुकसान से बचाता है। विटामिन सी में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट शरीर में इम्यूनिटी और कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाता है।

गठिया के रोग में फायदेमंद: डाभ नींबू गठिया जैसी समस्याओं के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है और गठिया रोग को दूर करता है।

पेट के लिए अच्छा: डाभ नींबू पाचन क्रिया को भी तंदरुस्त रखता है। ये खाने में आसानी से पच जाता है और पेट को हल्का और ठीक रखता है। इसे खाने से पेट में गैस की समस्या भी दूर होती है।

दिल के लिए अच्छा: डाभ नींबू दिल की बीमारियों को भी कम करता है। इसमें मौजूद फ्लेवोनोइड्स हृदय रोगों पर सकारात्मक प्रभाव दिखाते हैं। हालांकि जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत रहती है उन्हें ये फल खाने से बचना चाहिए।

बर्फ का इस्तेमाल आप खूबसूरती के लिए भी कर सकते हैं

आप बर्फ का इस्तेमाल तो खूब करते होंगे। लेकिन क्या आप जानते है बर्फ का इस्तेमाल आप खूबसूरती के लिए भी कर सकते हैं। बर्फ आपके चेहरे को तरोताजा रखने के साथ-साथ अपके चेहरे के डार्क सर्कल्स भी खत्म कर देती है।

चेहरे के दाग-धब्बों में

बर्फ दाग-धब्बों को ठीक करने में बहुत सहायक है। इसके लिए एक कॉटन के कपड़े में बर्फ रख उसे अपने चेहरे और गर्दन में लगाएं। बर्फ एक ही जगह न लगाएं, इससे त्वचा लाल हो सकती है। बर्फ लगाने से आपके चेहरे के दाग-धब्बे जल्द खत्म हो जाएंगे।

डार्क सर्कल्स के लिए

आपको शायद ही पता हो कि चेहरे पर बर्फ लगाने से डार्क सर्कल्स दूर हो जाते हैं और चेहरा तरोताजा रहता है। अगर आपको बहुत ज्यादा मेकअप लगाना पसंद नहीं है तो नियमित रूप से बर्फ का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसा करने से चेहरा फ्रेश बना रहेगा।

मेकअप

अगर आप चाहती हैं कि मेकअप ज्यादा वक्त तक रुका रहे तो इसके लिए मेकअप करने से पहले चेहरे पर बर्फ लगाएं। इसके बाद इसे साफ कॉटन के कपड़े से सुखा लें फिर मेकअप लगाएं। अगर आप सनबर्न या टैनिंग की समस्या से परेशान हैं तो इसके लिए दिन में एक बार चेहरे में बर्फ का इस्तेमाल करें। इससे आपका चेहरा सौम्य रहेगा।

पिंपल से पाएं छुटकारा

अगर आप अपने चेहरे के पिंपल्स से बहुत परेशान हैं और आपको समझ नहीं आ रहा कि क्या किया जाए तो हम आपको बताते हैं कि पिंपल्स वाली जगह पर 10-15 मिनट के लिए बर्फ लगाइए। ऐसा करने से पिंपल्स गायब हो जाएंगे।

मांसपेशियों में दर्द से मिले राहत

अगर आप मांसपेशियों में दर्द से परेशान हैं तो इसके लिए आप बर्फ का इस्तेमाल करें। आपको काफी फायदा मिलेगा। इसके लिए जिस जगह दर्द हो उस जगह कुछ देर बर्फ से सिकाई करें।

आंखों की समस्या

आजकल कंप्यूटर स्क्रीन के आगे बैठे रहने से आंखों की समस्या काफी होने लगी है। इसके लिए हम डॉक्टर के पास जाते हैं या घर पर ही कोई दवा का इस्तेमाल करते हैं। इस समस्या से आपको बर्फ निजात दिला सकती है और आपको ताजगी भी महसूस होगी। इसके लिए एक बर्फ के टुकड़े को एक मुलायम कपड़े में लपेटकर इसे आंखों के ऊपर थोड़ी देर के लिए रखिए, राहत मिलेगी।

फेस पर मेन चार्म आई मेकअप से ही आता है

कहने को तो सही मेकअप पूरे चेहरे का होता है लेकिन फेस पर मेन चार्म आई मेकअप से ही आता है। याद कीजिए आशा पारेख, साधना, शर्मिला टैगोर और हेलन का क्लासिक कैट-आई मेकअप जो उनकी आंखों को बिंदास लुक देता था। आंखों के मेकअप की ये स्टाइल पहले तो लोकप्रिय था ही, मेकअप गुरूओं का कहना है कि इतने सालों बाद एक बार फिर से कैट-आई मेकअप अभिनेत्रियों और उनके प्रशंसकों का पसंदीदा बन गया है। दिल्ली के मेकओवर एक्सपर्ट डायरेक्टर ऑफ एल्पस ब्यूटी क्लीनिक एंड एकेडमी की भारती तनेजा का कहना है कि ये सदाबहार है। ये हमारी अभिनेत्रियों को स्टाइलिश, सेक्सी दिखने के साथ इंडियन लुक भी देता है बात करें अगर लेटेस्ट ट्रेंड की, तो इन दिनों आंखों पर कैट आईलुक काफी इन है। तो आइए जाने इस लेटेस्ट ट्रेंड के बारे में।।

कैटी आईज- मैचिंग और कांप्लिमेटिंग आईमेकअप के साथ-साथ ये वक्त है आंखों को कैटी लुक देने का। इस लुक के लिए आप आईशैडो या आईलाइनर किसी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। या फिर स्मोकी शेड्स के साथ भी इस लुक को क्रिएट कर सकते हैं।

कैट-लुक विद स्मोकी इफैक्ट - स्मोकी कैटी लुक के लिए आप मैटेलिक सिल्वर, स्टील ग्रे, इलैक्ट्रिक ब्लू, पिकॉक ग्रीन जैसे हॉट कलर्स का यूज कर सकती हैं। लोएर लैशिज पर भी अपर आईज जैसा वाइब्रेंट लुक जगाने के लिए स्मज करते हुए लाइनर लगाएं और ऊपर से कॉन्टोरिंग के लिए कलर लाइनर का इस्तेमाल जरूर करें जैसे ब्राउन आईज के साथ पर्पल, ग्रीन के संग मैरून और ब्लू के साथ ब्लू या कॉपर।

कैट-लुक विद लाइनर - इसके साथ ही आईज पर न्यूट्रल शेड जैसे बेज या वनीला कलर का आईशैडो लगाकर, ब्लैक जैल लाइनर से भी आंखों को कैट-आई लुक दे सकती हैं। परफेक्ट कलर्स फॉर कैट-लुक- कैट-लुक के साथ आप चॉक्लेट ब्राउन, एमरल्ड ग्रीन, इंडिगो ब्लू, कोबाल्ट ब्लू, कॉपर, रस्ट, गोल्डन, ऑर्किड, लाइट ब्राउन जैसे कई वाइब्रेंट शेड्स इस्तेमाल कर सकती हैं।

कैट-लुक विद आईशैडो - इसके अलावा आई-शैडो को भी कैट-लुक के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। जैसे अपनी ड्रेस से मैचिंग शेड को आईज पर बाहर की ओर निकालते हुए लगाएं और फिर आईलिड पर ब्लैक लाइनर और लैशिज पर मस्कारा के कोट्स लगाकर आईज को पॉप-ऑउट करें।

फायदे - कैटी-लुक से आंखें काफी सेक्सी नजर आती हैं साथ ही उठी हुई भी दिखाई देती हैं, जिस कारण ये मेकअप बढ़ती उम्र की महिलाओं पर काफी अच्छा लगता है क्योंकि एक उम्र के बाद आंखें नीचे की ओर झुकने लग जाती हैं। इसके साथ ही इस लुक से आंखें बड़ी भी लगती हैं, जिससे इंडियन आईज और भी ज्यादा खूबसूरत नजर आती हैं।

सारा अली खान ने ब्लैक आउटफिट में दिखाया किलर लुक

सारा अली खान अपनी चुलबुली हरकतों के कारण अक्सर ही चर्चा में बनी रहती हैं। बहुत कम वक्त में सारा ने दुनियाभर में अपनी एक खास पहचान हासिल कर ली है। ऐसे में आज फैंस उनकी फिल्मों के लिए हमेशा ही बेताब रहते हैं। दूसरी ओर सारा अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पेज पर उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक देखने को मिल जाती हैं। इस बार सारा ने अपने हॉट अवतार से इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है। सारा ने कुछ देर पहले ही अपना नया लुक फैंस के साथ शेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत शॉर्ट ब्लैक वन शोल्डर ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने ब्लैक हाई हील्स पेयरअप की है। सारा ने अपना लुक को सटल बेस, न्यूड ग्लॉसी लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने मैसी हाई बन बनाया हुआ है। सारा हमेशा की तरह इस लुक में बेहद हॉट दिख रही हैं। एक्ट्रेस ने यह किलर फोटोशूट वैनिटी वैन में कराया है। उन्होंने वैन में ही एक से एक स्टनिंग पोज देकर इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है। फैंस की नजर आ उनके इस नए लुक पर टिकी रह गई हैं। कुछ ही देर में सारा की फोटोज पर एक लाख से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके थे।

जानिए आपके लिए कितना गुणकारी हैं टमाटर...!

टमाटर न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि इसके अंदर पाए जाने वाले विटामिन-ए और विटामिन-सी जैसे कई गुणकारी तत्व हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। सब्जी की टोकरी में सामान्य-सा दिखाई देने वाला टमाटर, कई असामान्य गुणों से भरपूर होता है। तो आइये जानते है टमाटर से होने वाले फायदों के बारे में....

-टमाटर एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है। टमाटर में विटामिन सी, लाइकोपीन, विटामिन, पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। साथ ही इसमें कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले तत्व भी पर्याप्त मात्रा में होते हैं। जिन लोगों को वजन कम करना है उनके लिए भी ये काफी फायदेमंद है।

-पोषक तत्वों से भरपूर टमाटर गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। एक स्वस्थ शिशु के लिए गर्भवती महिला को प्रचुर मात्रा में पोषक तत्वों और विटामिन्स की आवश्यकता होती है, जिसके लिए टमाटर बेहतर विकल्प है। विटामिन सी मां और बच्चें दोनों को स्वस्थ रखने का कार्य करता है, जो टमाटर में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

-बाजार में प्रचलित ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बारे में आप अमूमन सुनते ही होंगे कि इनमे टमाटर का लीकोपीन मौजूद है। टमाटरों का यह गुण आपको सूर्य की हानिकारण यूवी किरणों के प्रभाव से बचाता है, जिससे आपकी त्वचा आसानी से झुलसती नहीं है। इसके अलावा टमाटर में एंटी ऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं, जो आपको समय से पहले बूढ़ा नहीं दिखने देते।

-टमाटर का सेवन हमारे पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। यह दस्त और कब्ज दोनों से ही हमारे पाचन तनरत की रक्षा करते हैं।

-टमाटर में विटामिन के और कैल्शियम की उपस्थिति के कारण यह आपकी हड्डियों के लिए एक बहुत अच्छा आहार है। दोनों ही तत्व हड्डियों को मजबूत बनाने और उनकी मरम्मत करने के लिए लाभदायक हैं। इसमें निहित लाइकोपीन नामक एंटी-ऑक्सिडेंट भी हड्डियों को बेहतर बनाने के लिए जाना जाता है, जो ऑस्टियोपोरोसिस से लड़ने का एक प्रभावी तरीका है। ऑस्टियोपोरोसिस एक बीमारी है जो हड्डी के फ्रैक्चर, विकलांगता और विकृति का कारण बन सकती है।

द आर्चीज से नई कहानी, नए चेहरे और नई प्रतिभाएं तराशने में सफल रहीं जोया अख्तर

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने फिल्म द आर्चीज से अभिनय जगत में पदार्पण कर लिया है।न सिर्फ सुहाना, बल्कि दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर की भी सिनेमा की दुनिया में यह पहली परीक्षा है, वहीं अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने भी इससे बॉलीवुड में अपनी बोहनी की है।फिल्म 7 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर आई है तो आइए अब ये भी जान लें कि कैसी है द आर्चीज।

इसकी कहानी अमेरिकी कॉमिक्स द आर्चीज से प्रेरित है, जिसे जोया अख्तर ने अपने अंदाज में पर्दे पर परोसा है।आर्चा (अगस्त्य नंदा) और उसके दोस्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई इस कहानी का मुख्य आकर्षण है, शहर रिवरडेल का दिल या कह लें इतिहास द ग्रीन पार्क, जिसे तोड?र कुछ व्यवसायी वहां होटल बनाना चाहते हैं। हालांकि, आर्ची और उसके दोस्त उन्हें ऐसा करने से रोकते हैं।अब क्या होगा इसका भविष्य, यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी।

६० के दशक की यह कहानी है साधारण, लेकिन इसे दिखाने का तरीका दिलचस्प है। शुरुआत में फिल्म दिलचस्पी नहीं जगाती, लेकिन जैसे-जैसे यह आगे बढ़ती है, आप इसके किरदारों और कहानी से जुड़ते चले जाते हैं। यह आपको उसी दौर में ले जाती है।

यूं तो फिल्म में स्टार किड्स से लेकर हर कलाकार का अभिनय काबिल-ए-तारीफ है, लेकिन वैरोनिका के किरदार में सुहाना और आर्ची बने अगस्त्य सभी में अलग ही चमकते हैं। सुहाना के हाव-भाव और आत्मविश्वास देख लगता है मानों वह भी अपने पिता की तरह सिनेमा के लिए बनी हैं। उनका स्टाइल और स्वैग देखते ही बनता है।उधर अगस्त्य, आर्ची के किरदार में १०० फीसदी खरे उतरते हैं। वह अपने अभिनय के साथ डांस से भी हैरान करते हैं।

बेट्टी के रूप में खुशी कपूर भी कुछ कम नहीं हैं। उनकी सादगी और सहजता खूब भाती है, वहीं वेदांग रैना (रेगी मेंटल) अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराते हैं। उनके अलावा युवराज मेंडा, अदिति डॉट और मिहिर आहूजा भी अपने-अपने किरदार में छाप छोड़ते हैं।

जोया ने लेखक रीमा कागती के साथ मिलकर हर एक किरदार को कहानी के मुताबिक बड़ी सूझ-बूझ से गढ़ा और चुना है। हर कलाकार से उन्होंने उम्दा अभिनय करवाया है।फिल्म देखते हुए एक खुशी महसूस होती है। यह ऐसी नहीं है, जिससे बोर हो जाएं। डांस से लेकर रोमांस, कॉमेडी और प्यार इसमें सबकुछ है। फिल्म में कई ऐसे संवाद हैं, जो दिल को छू लेते हैं।कुल मिलाकर जोया ने कॉमिक्स की एक शानदार दुनिया रची है।

फिल्म में कुछ कमियां हैं, जो न होतीं तो शायद ये और बेहतर होती। जैसे अंग्रेजी संवाद और किरदारों के नाम अंग्रेजी में होना।1960 के दौर का परिवेश, जीवन शैली, खान पान और सलीके पर जोया ने बहुत बारीकी से काम किया है। पर्यावरण का मुद्दा भी सही चुना, लेकिन वह इसकी गहराई में जाने से चूक गईं। लगता है जैसे बड़ी जल्दबाजी में उन्होंने यह निपटा दिया।कहानी मुद्दे पर आने में भी थोड़ा वक्त लेती है। 2 घंटे 23 मिनट की द आर्चीज में संगीत शंकर एहसान लॉय का है, जो अच्छा है। सुनो, से लेकर वा वा वूम फिल्म के गाने थिरकने पर मजबूर करते हैं। बॉस्?को सीजर और गणेश हेगड़े की कोरियोग्राफी ने दृश्यों को और दमदार बना दिया। क्यों देखें- डिजिटल के इस दौर में हम इंटरनेट के इर्द-गिर्द इतने सिमट गए हैं कि किताबें पढने का शौक दम तोड़ रहा है। किताबों की क्या अहमियत है, यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी चाहिए, वहीं अगर युवा शक्ति पर विश्वास है और लगता है कि युवा समाज में बदलाव ला सकते हैं तो भी यह फिल्म आपके लिए है।क्यों न देखें?- किताबों के सिनेमाई वर्जन से परहेज है तो फिल्म से दूर रहें।

सर्दियों में सावधानी से करें रूम हीटर का इस्तेमाल

सर्दियां अब बढ़ रही हैं। अगले कुछ दिनों में कड़ाके की ठंड पडने् के आसार हैं। ऐसे में लोगों ने घरों के रूम हीटर तैयार कर लिए हैं। ठंड के मौसम में रूम हीटर चलाकर कमरे में बैठना काफी राहत देता है। इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर होता है। हालांकि, एक्सपर्ट्स रूम हीटर (क्रशशद्व ड्ढद्गड्डह्लद्गह्म्) के कम इस्तेमाल की सलाह देते हैं। क्योंकि, इसके गंभीर खतरे भी हो सकते हैं। उनका कहना है कि गलती से भी रातभर हीटर चलाकर नहीं रखना चाहिए, वरना जानलेवा हो सकता है। पिछले कुछ सालों में रूम हीटर से मौत के भी कई मामले आ चुके हैं। इसलिए सावधानी बरतनी चाहिए।

सर्दियों में सावधानी से करें रूम हीटर का इस्तेमाल

एक्सपर्ट्स के अनुसार, सर्दियों में रूम हीटर इस्तेमाल सावधानीपूर्वक करना चाहिए। रूम हीटर को थोड़ी-थोड़ी देर के लिए ही चलाना चाहिए। रात में हीटर चलाकर सोने की भूल कभी नहीं करनी चाहिए। वरना यह जानलेवा भी हो सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर किसी रूम में वेंटिलेशन सही नहीं है तो ऐसा में रातभर हीटर चलाने से उस कमरे में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस भर जाती है और ऑक्सीजन कम हो सकती है। ऐसे में सोते-सोते सांस रूक भी सकती है। इसलिए ऐसी गलती करने से बचना चाहिए। रूम हीटर के साइड इफेक्ट्स को कम करने के लिए ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल कर सकते हैं। अस्थमा और सांस के मरीजों को तो हीटर जितना कम हो सके, उतना कम इ कम ही चलाना चाहिए।

रूम हीटर चलाने के 5 गंभीर नुकसान

1. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रूम हीटर कमरे की हवा को ड्राई करने का काम करता है, जिससे स्किन ड्राईनेस हो सकती है। पहले से ड्राई स्किन वालों को रूम हीटर से पूरी तरह बचना चाहिए।

2. ज्यादा रूम हीटर चलाने से आंखें भी प्रभावित होती हैं। इससे आंखों में ड्राईनेस की समस्या हो सकती है और इरिटेशन फील हो सकता है। ऐसा होने पर हीटर तुरंत बंद कर दें।

3. कुछ लोगों को रूम हीटर से एलर्जी भी होती है। इससे निकली गर्म हवा से नाक भी ड्राई हो सकती है।

4. अस्थमा या सांस के मरीजों को रूम हीटर में ज्यादा देर तक नहीं रहना चाहिए। वरना कमरे में ऑक्सीजन का स्तर कम हो सकता है, इससे सांस में समस्या हो सकती है।

5. रूम हीटर से निकलने वाली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस सेहत के लिए खतरनाक होती है। यही कारण है कि लंबे समय तक रूम हीटर के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

मधुमक्खियों की महज चार प्रजातियां ही बनाती है शहद

हजारों सालों से मधुमक्खियां हमारे आस-पास रह रही हैं। दुनिया भर में इनकी 20000 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं जिनमें से सिर्फ4 प्रजातियां ही शहद बनाती हैं। ये मधुमक्खियां अपनी आवश्यकता से लगभग 40-50 किलो ज्यादा शहद पैदा करती हैं। इनकी एक और विशेषता आश्चर्य चकित कर देने वाली है वह है रास्तों को पहचानने की इनकी योग्यता।

फूलों से परागणकण एकत्र करने के लिए मधुमक्खियां लंबी दूरी तक जाकर भी बिना रास्ता भटके रास्तों की पहचान करती वापस अपने छत्ते में आ जाती हैं। ये करीब 15 मील प्रति घंटे की उड़ान भरती हैं। इनका जीवनकाल 5 साल का होता है। मधुमक्खियों की पांच आंखें होती हैं, दो बड़ी या संयुक्त आंखें तथा इनके बीच माथे के ऊपर त्रिकोणीय पैटर्न में बनी तीन सामान्य आंखें। इनकी बड़ी आंखें हजारों छोटे लेंसों से बनी होती हैं, हर लेंस किसी दृश्य का एक छोटा सा हिस्सा ही देख पाता है और सभी लेंस मिलकर पूरी तस्वीर देख लेते हैं। मधुमक्खियां हर दिशा में देख सकती हैं किन्तु अपनी आंखों में किसी भी चीज की एक स्पष्ट छवि नहीं बना पातीं। ये अल्ट्रावायलेट किरणों को देख सकती हैं, जिन्हें हम इंसान नहीं देख सकते। हाल ही में मधुमक्खियों की देख पाने की क्षमता पर नई जानकारी सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया में एडिलेड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने यूरोपिय शहद मधुमक्खियों की नजरों की जांच से पता लगाया है कि मधुमक्खियों की नजरें पिछले आकलनों से तकरीबन 30 फीसदी तेज होती हैं। एडिलेड विश्वविद्यालय की प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर एलिसा रिगोसी डिपार्टमेंट ऑफबॉयोलॉजी, लुंड यूनिवर्सिटी, स्वीडन तथा उनकी टीम के मुताबिक मधुमक्खियां पिछले रिकार्डो की तुलना में बेहतर दृश्यता रखती हैं। वे इतनी बारीकी से देख सकती है जितना हमने सोचा भी नहीं था।

शब्द सामर्थ्य -016

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 15 का हल

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	व
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	व	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	र्जा	ना
रा	ह	त		न	ज	र		व
	वा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

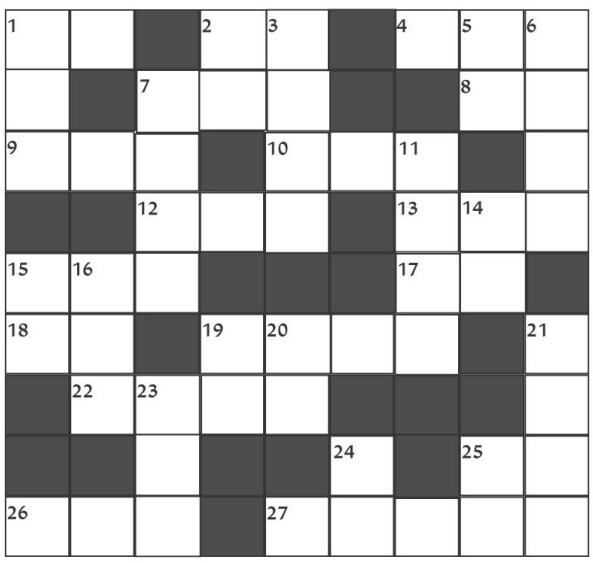

-प्रबंधक विज्ञापन

जाह्नवी कपूर ने खूबसूरत लुक में दिखाया सिजलिंग अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने ग्लैमरस अवतार के लिए जानी जाती हैं। इंटरनेट पर अक्सर उनका स्टाइलिश लुक वायरल रहता हैं। एक बार फिर जाह्नवी कपूर अपने ग्लैमरस और स्टनिंग लुक से लाखों फैंस का दिल घायल कर रही हैं। आइए देखते हैं जाह्नवी कपूर का स्टाइलिश अवतार। जाह्नवी कपूर के इस स्टनिंग लुक की बात करें तो जाह्नवी कपूर कोट पैंट में बेहद स्टनिंग लग रही हैं। ब्लू कलर के कोट पैंट में जाह्नवी कपूर बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। लाइट मेकअप खुले बालों में जाह्नवी कपूर कमाल की लग रही हैं। इंटरनेट पर उनके इस लुक को काफी पसंद किया जा रहा हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब उनके किसी को लुक को पसंद किया जा रहा हो, इससे पहले भी उनके बोल्ड अवतार इंटरनेट पर सनसनी मचा चुके हैं। जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस मिस्टर एंड मिसेज माही फिल्म में नजर आएंगी। इससे पहले जाह्नवी कपूर फिल्म बवाल में नजर आई हैं। जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका इंस्टाग्राम उनकी बोल्ड और स्टनिंग फोटो से भरा हुआ है। जाह्नवी कपूर अक्सर इंस्टाग्राम पर अपना ग्लैमरस लुक शेयर कर लाखों फैंस को हैरान कर देती हैं। (आरएनएस)

बॉलीवुड नेपोटिज्म पर खुलकर बोलीं अभिनेत्री अनीशा मधोक

बुली हाई में अपने काम से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अनीशा मधोक ने कहा कि उन्हें इसकी परवाह नहीं है कि सभी भूमिकाएं स्टार किड्स को मिलती हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने लिए मौके खुद बनाएंगी। मनोरंजन उद्योग में जब सही अवसर पाने की बात आती है तो नेटवर्किंग और संदर्भ मायने रखते हैं। योग्यता के साथ भाग्य का भी अपना मूल्य है, लेकिन प्राथमिकता के अनुसार संपर्क वाले अभिनेता को अक्सर अवसर मिलता है। अभिनेत्री ने कहा, यदि प्रतिभा कड़ी मेहनत नहीं करती तो कड़ी मेहनत प्रतिभा को हरा देती है। हालांकि मुझे अपने देश के बजाय वैश्विक फिल्म उद्योगों में अधिक अवसर मिले हैं। मुझे नहीं लगता कि यहां मेरी प्रतिभा को महत्व दिया जाता है और मैंने उससे समझौता कर लिया है। मुझे इसकी परवाह नहीं है कि सारी भूमिकाएं भाई-भतीजावाद के पास चली जाएंगी, मैं अपने अवसर खुद बनाऊंगी। अनीशा ने साझा किया, मुझे भाई-भतीजावाद के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना है। यह बॉलीवुड में हर जगह है। मुझे लगता है कि मैं किसी से भी दोस्ती कर सकती हूं, इसलिए मैं कई स्टार किड्स से दोस्ती करती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि बॉलीवुड को सीमित कलात्मक प्रयासों तक सीमित रहने के बजाय प्रतिभा खोज के वैश्विक स्तर पर कूदना चाहिए और जब तक ऐसा नहीं होता, मैं वैश्विक फिल्म उद्योगों पॉलीवुड और टॉलीवुड से जुड़ी रहूंगी। उन्होंने हाल ही में उमराव जान फेम मुजफ्फर अली के लिए एक म्यूजिकल प्ले आनंद भी किया था। उन्होंने कहा, मैं लॉस एंजिल्स में एक नाटक में अभिनय कर रही थी और दर्शकों के बीच बैठे फिल्म निर्माता बिल मैकएडम्स जूनियर की नजर मुझ पर पड़ी। उन्होंने मुझे मेरी पहली स्वतंत्र हॉलीवुड फिल्म में मुख्य भूमिका में लिया। मेरा मानना है कि व्यक्ति को वही करते रहना चाहिए जो उसे पसंद है।

रवि तेजा की फिल्म ईगल का पहला सिंगल आदु माचा प्रोमो जारी

मास महाराजा के रूप में व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता रवि तेजा, कार्तिक घट्टामनेनी द्वारा कुशलतापूर्वक निर्देशित अपने आगामी सिनेमाई उद्यम ईगल के साथ एक बार फिर दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। 13 जनवरी, 2024 को अपनी बहुप्रतीक्षित रिलीज़ को चिह्नित करते हुए, फिल्म में काव्या थापर और अनुपमा परमेश्वरन की प्रतिभाशाली जोड़ी प्रमुख भूमिकाओं में है। जैसे ही फिल्म अपने भव्य प्रीमियर के लिए तैयार हो रही है, टीम ने रणनीतिक रूप से अपना संगीत प्रचार शुरू कर दिया है, और पहले एकल, आदु माचा के पूर्वावलोकन के साथ प्रशंसकों को चिढ़ाया है, जिसे लोकप्रिय गायक राहुल सिप्लिगुंज ने कुशलतापूर्वक प्रस्तुत किया है। साथ में जीवंत वीडियो में रवि तेजा को पारंपरिक पोशाक में सजे हुए, जंगल में आयोजित एक धार्मिक उत्सव में ऊर्जावान नृत्य अनुक्रम पेश करते हुए दिखाया गया है। पीपल मीडिया फ़ैक्टरी के बैनर तले प्रभावशाली पैमाने पर निर्मित, ईगल में न केवल करिश्माई रवि तेजा हैं, बल्कि नवदीप, श्रीनिवास अवसारला और मधुबाला सहित कई शानदार कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक मनोरम कथा और असाधारण प्रदर्शन का वादा करती है, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखती है।(आरएनएस)

एनिमल में कम स्क्रीन टाइम देकर भी तृप्ति डिमरी रातों-रात बनीं नेशनल क्रश

एनिमल इस बीच बॉलीवुड की गलियारों से लेकर हर तरफ चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के कई सीन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल सीन में एक सीन एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी और रणबीर कपूर है जहां दोनों जमकर रोमांस करते नजर आ रहे हैं।

एनिमल में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ तृप्ति डिमरी भी शामिल हैं। फिल्म में दोनों एक्ट्रेस रणबीर के लव ऐंगल से नजर आ रही हैं। तृप्ति डिमरी की बात करें तो एक्ट्रेस एनिमल से पहले कला फिल्म में नजर आईं थीं। पर एक्ट्रेस एनिमल की रिलीज के बाद तेजी से लाइमलाइट में आ गई हैं। दरअसल एनिमल में तृप्ति डिमरी जोया नाम की लड?ी का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनका रणबीर कपूर के साथ एक इंटिमेट सीन शूट किया गया है जो सबका ध्यान खिंच रहा है। फैंस का तो यह भी कहना है कि फिल्म में तृप्ति डिमरी को ही लीड एक्ट्रेस होना चाहिए था।

में नजर आ चुकी हैं। बॉलीवुड की कई मेनस्ट्रीम फिल्मों के दर्शकों के बीच उनकी पहचान नहीं बना पाई थी पर एनिमल उनके करियर की बूस्ट फिल्म साबित हुई है। तृप्ति डिमरी ने 2017 में रिलीज हुई फिल्म मॉम से अपने करियर की शरूआत की थी। 'मॉम' में वह एक छोटी-सी भूमिका में नजर आई थीं। इसके बाद एक्ट्रेस सनी देओल, बॉबी देओल और श्रेयस तलपडे की फिल्म पोस्टर बॉय्ज में दिखी थीं। मगर उनको पहचान निर्देशक इम्तियाज अली से अच्छा रिस्पांस मिला था, एक्ट्रेस के काम की काफी तारीफ भी हुई थीं।

23 फरवरी, 1994 को जन्मी तृप्ति डिमरी उत्तराखंड की रहने वाली हैं। एक्ट्रेस पिछले लंबे वक्त से बॉलीवुड से जुड़ी हुई है। तृप्ति अक्सर स्टार किड्स के साथ पार्टी करते हुए नजर आती हैं। णबीर के साथ थोड़े टाइम के लिए ही सही पर साथ काम करने के एक्सपीरियंस ने एक्ट्रेस ने कहा कि वह दोबारा रणबीर के साथ कोलैबोरेट करने की उम्मीद रखती हैं।

छोटे पर्दे पर डेब्यू कर रही शेफाली जरीवाला

कांटा लगा गर्ल के नाम से मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला, जो अपकमिंग शो शैतानी रस्में से टीवी पर डेब्यू करने जा रही हैं, ने कहा कि वह पहले टीवी रोल्स पर विचार करने के लिए बहुत मनमौजी थी, वह टीवी शो के स्टोरी और कॉन्सेप्ट के मोनोटोनी से जुड़ नहीं पाती थी।

शेफाली ने अपने टीवी डेब्यू और इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह पर चर्चा की। एक नई चुनौती को स्वीकार करते हुए, शेफाली शैतानी रस्में के साथ छोटे पर्दे पर नजर आएंगी। उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि मैं पहले टीवी रोल्स पर विचार करने के लिए बहुत मनमौजी थी। मैं टीवी शो के स्टोरी और कॉन्सेप्ट के मोनोटोनी से जुड़ नहीं पाई।

पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट ने शेयर किया- जब मुझे शैतानी रस्में का हिस्सा बनने का अवसर दिया गया, तो मैंने तुरंत हां कह दी। ऐसा लगा कि यह मेरे लिए टीवी के बारे में जानने का सही अवसर है क्योंकि यह बहुत ही अलग कॉन्सेप्ट पेश करता है।

उन्होंने आगे कहा, एक कलाकार के रूप में मैं दिलचस्प कहानी की भूखी हूं और यह वही है जिसका मैं इंतजार कर रही थी। शैतानी रस्में का प्रीमियर जल्द ही स्टार भारत पर होगा।

चार उल्लू दे ... संग दुनिया के सफर पर निकले शाहरुख

शाहरुख खान इन दिनों अपने करियर के एक शानदार दौर से गुजर रहे हैं। इस साल आईं उनकी दोनों फिल्में पठान और जवान ब्लॉकबस्टर रहीं। अब अभिनेता की फिल्म डंकी का इंतजार है, जिसके टीजर और गानों पर दर्शकों ने जमकर प्यार बरसाया है।बीते दिन जब डंकी के ट्रेलर को लेकर सुगबुगाहट शुरू हुई तो यह सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा।अब आखिरकार शाहरुख अपनी इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के ट्रेलर के साथ हाजिर हो गए हैं।

ट्रेलर में शाहरुख का किरदार हार्डी इंगलैंड जाना चाहता है, लेकिन उसके पास सही कागजात नहीं हैं। वह चोरी-छुपे डंकी फ्लाइट (अवैध रास्ता) का इस्तेमाल कर विदेश पहुंच जाता है, लेकिन वहां पहुंचकर उसका दिल वापस अपने घर और अपने देश पहुंचने का करता है।ट्रेलर में शाहरुख की दोस्तों के साथ मस्ती भरी जिंदगी, तापसी पन्नू उर्फ मन्नू संग उनका रोमांस और कॉमेडी का तडुका इसे देखने लायक बनाता है, लेकिन इन सबके परे यह भावुक भी करता है।

यह फिल्म उन लोगों के बारे में है, जो एक बार घर और देश से बाहर तो चले जाते हैं, लेकिन ये जमीन उन्हें फिर खींच लाती है। शाहरुख अपने सपने साकार करने की जद्दोजहद और जिंदगी बदलने की एक शाहरुख के मुताबिक, यह फिल्म ऐसी है, जो दर्शकों के चेहरे पर एक मुस्कान लेकर आएगी। इसे देखने के बाद न सिर्फ उन्हें अपने परिवार, बल्कि देश से भी प्रेम हो जाएगा।कुछ दिनों पहले उनके एक फैन ने पूछा था कि डंकी क्या खास लेकर आएगी तो इस पर शाहरुख ने कहा था, फिल्म में राजकुमार हिरानी हैं और क्या चाहिए?शाहरुख यह भी बोल चुके हैं कि उनकी इस फिल्म के लिए भी सिनेमाघरों में जमकर भीड़ जुटेगी।

डंकी में शाहरुख की जोड़ी पहली बार तापसी के साथ बनी है। इसमें दीया मिर्जा, बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में हैं।फिल्म में धर्मेंद्र और सतीश शाह भी हैं, वहीं विक्की कौशल और काजोल मेहमान भूमिका में नजर आएंगे। हिरानी के निर्देशन में बनी गौरी खान और ज्योति देशपांडे ने किया है।इसके जरिए शाहरुख ने पहली बार हिरानी संग काम किया है। डंकी 21 दिसंबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

शाहरुख की फिल्म पठान में सलमान खान के कैमियो ने धमाल मचा दिया था। इसके बाद टाइगर 3 में शाहरुख के कैमियो ने धमाका किया।अब शाहरुख-सलमान फिल्म टाइगर वर्सेज पठान में साथ दिखेंगे, जो वाईआरएफ के चर्चित स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में शाहरुख और सलमान की भिड़ंत देखना दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक होगा।सुजॉय घोष की एक्शन थ्रिलर फिल्म में शाहरुख को पहली बार उनकी बेटी सुहाना खान के साथ पर्दे पर देखा जाएगा।

अराजनीतिक सलाहकारों,यू ट्यूबर्स आंकडेबाजों से डूब रही हैं कांग्रेस

अजीत द्विवेदी

उत्तर भारत में कांग्रेस क्यों कर डूबी-2 : कांग्रेस मिजोरम का भी विधानसभा चुनाव हार गई। और बहुत बुरी तरह से। लेकिन यू ट्यूब पर आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले पुराने सैफोलॉजिस्ट योगेंद्र यादव मिजोरम में कांग्रेस को बड़ी ताकत के तौर पर उभरता हुआ बता रहे थे। दावा कर रहे थे कि कांग्रेस के बिना वहां कोई सरकार नहीं बनेगी। मगर कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली जबकि पहली बार चुनाव लड़ी जोरम पीपुल्स मूवमेंट ने दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। सोचें, कांग्रेस की आंधी बताई गई तो उसकी सीट पांच से घट कर एक हो गई। इसी तरह कांग्रेस मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, और राजस्थान में चुनाव हारी है। कांग्रेस के सारे नेता हैरान-परेशान घूम रहे हैं। उनको समझ में नहीं आ रहा है, जब सारे लोग कह रहे थे कि कांग्रेस इन राज्यों में जीतेगी तो कैसे हार गई?

हारने की इस रियलिटी के बीच तमाम आंकड़ेबाज नेता, सोशल मीडिया के इन्फ्लूएन्सर्स और यू ट्यूबर्स नए आंकड़ों के साथ हल्ला करते हुए हैं। कांग्रेस के गुरदीप सप्पल और सुप्रिया श्रीनेत के साथ साथ योगेंद्र यादव भी आंकड़ों के हवाले कथित सचाई बता रहे हैं। योगेंद्र यादव ने नतीजों के बाद एक वीडियो यू ट्यूब पर डाला 'हैट्रिक का मिथक और आंकड़ों का सच'। इस आंकड़ाई हवाबाजी से लोगों को समझा रहे है कि मिजोरम को छोड़ कर चार राज्यों में कांग्रेस को भाजपा से ज्यादा वोट मिले हैं। निश्चित ही आंकड़ों की सत्यता पर सवाल नहीं है। सही है कि चार राज्यों में भाजपा को चार करोड़ 81 लाख वोट मिले हैं तो कांग्रेस को चार करोड़ 9० लाख वोट मिले हैं। लेकिन असल में यह कांग्रेस नेतृत्व को बरगलाने का प्रयास है, जो हर बार होता है और इस वजह से कोई बड़ा बदलाव नहीं हो पाता है। सोचें, पिछले विधानसभा चुनाव में यानी 2०18 में जब मध्य प्रदेश में कांग्रेस जीती थी और सरकार बनाई थी तब भाजपा को कांग्रेस से ०.13 फीसदी वोट ज्यादा मिले थे। यानी ज्यादा वोट लेकर भी भाजपा हारी थी। लेकिन तब भाजपा के किसी नेता या उसके लिए काम करने वाले आंकड़ेबाजों ने इस आधार पर हार को जीत नहीं बताया था।

क्या इन आंकड़ेबाजों को पता नहीं है कि वोट प्रतिशत या वोटों की संख्या एक तकनीकी मामला है और जीत-हार का गणित उससे अलग भी हो सकता है? यह बिल्कुल उसी तरह की बात है, जैसे कोई नदी की औसत गहराई निकाल कर नदी पार करने की कोशिश करे। कांग्रेस के नेता और उसके समर्थक आंकड़ेबाज, यू ट्यूबर्स जो आंकड़े बता रहे हैं उसमें 6० लाख वोट का अंतर सिर्फ तेलंगाना से है। वहां भाजपा को 32 लाख के करीब वोट मिल हैं, जबकि कांग्रेस को 92 लाख के करीब वोट हैं। कांग्रेस इस वोट को बाकी तीन राज्यों के साथ जोड़ कर यह साबित करने में लगी है कि वह हारी नहीं है। अगर तेलंगाना को हटा दें तो हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भाजपा को कांग्रेस से 5० लाख वोट ज्यादा मिले हैं। इसी उत्तर भारत में कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में भाजपा का असली मुकाबला करना है। लेकिन कांग्रेस के नेता आंख बंद करके समझ रहे हैं कि सामने खतरा नहीं है। और सचमुम पिछले कई सालों से कांग्रेस इसी एप्रोच में राजनीति कर रही है। उसे हकीकत दिखाई नहीं दे रही है या गैर-सरकारी संगठनों वाले झोलाछाप बुद्धिजीवी, वामपंथी विचारक, यू ट्यूबर्स और सोशल मीडिया के इन्फ्लूएन्सर्स उसे हकीकत नहीं देखने दे रहे हैं।

कांग्रेस को भाजपा से उत्तर भारत में लडना़ है, जहां वह बुरी तरह से हारी है। तीन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस के बीच दो से लेकर आठ फीसदी तक वोट का अंतर है। लेकिन कांग्रेस के आंकड़ेबाज या आलाकमान के आसपास चक्कर काटने वाले परजीवी किस्म के नेता चार राज्यों का औसत निकाल कर बता रहे हैं कि कांग्रेस को कितना वोट मिल गया। दिग्विजय सिंह जैसे समझदार नेता पोस्टल बैलेट में कांग्रेस को ज्यादा वोट मिलने की बात करके इशारा कर रहे हैं कि ईवीएम में गड़बड़ी है। हकीकत यह है कि पोस्टल बैलेट में सरकारी कर्मचारियों के वोट हैं, जिन्होंने पुरानी पेंशन योजना की कांग्रेस की घोषणा से प्रभावित होकर वोट दिया। इसके बावजूद अगर ईवीएम पर सवाल उठाना है तो वह अलग राजनीति है लेकिन अभी इसका समय नहीं है।

जाहिर है कांग्रेस के अराजनीतिक सलाहकारों और आंकड़ेबाजों की वजह से कांग्रेस लगातार हारती जा रही है, वह डूब रही है। दरअसल, कांग्रेस के लिए राजनीति अब उसके नेता नहीं कर रहे हैं, बल्कि मैनेजर कर रहे हैं। उसके लिए नीतियां पार्टी के जमीनी नेता नहीं, बल्कि गैर-सरकारी संगठनों के अराजनीतिक लोग बना रहे हैं। कभी सैम पित्रोदा नीति बनाते हैं, तो कभी के राजू के हवाले नीति बनाने का काम होता है तो कभी योगेंद्र यादव नीति बनाने आ जाते हैं। जेएनयू ब्रिगेड अलग राहुल गांधी को ज्ञान देती रहती है, जिसमें कभी सीताराम येचुरी 'बॉस' बन कर राजनीति समझाते हैं तो कभी कन्हैया कुमार की क्रांतिकारिता चलती है। कभी सनातन का विरोध है तो कभी जाति गणना और 'जितनी आबादी उतना हक' का नारा है तो कभी मोहब्बत की दुकान है, पहले 'चौकीदार चोर है' का नारा था। इस तरह की सलाह देने वाले अच्छी अंग्रेजी में या भारी भरकम वैचारिक शब्दावली में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देकर योजना बनाते हैं और घुट्टी देते है किइस पर पूरी पार्टी को अमल करना होता, जबकि वास्तविकता इनके पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से बिल्कुल अलग होती है। कांग्रेस के नेता इस भ्रम में रहते हैं कि सोशल मीडिया ने नैरटिव सेट कर दिया है। लोग उसे पसंद कर रहे हैं और इसलिए अब चुनाव जीत जाएंगे। हैरानी की बात है कि वैचारिक लड़ाई भी कांग्रेस के लिए यू ट्यूबर्स लड़ रहे हैं। अपने एजेंडे के तहत चैनल वाले गांधी-सावरकर की बहस कराते हैं, नेहरू पर हमला करते हैं और यू ट्यूब में सब्सक्राइबर बढ़वाने में लगे कथित इतिहासकार वहां कांग्रेस का पक्ष रखते हैं। बाद में कांग्रेस के नेता उनके वीडियो वायरल करने की जिम्मेदारी निभाते हैं।

राजनीतिक लड़ाई हो, चुनावी लड़ाई हो या विचारधारा की लड़ाई हो कांग्रेस उसे जमीन पर नहीं लड़ रही है। वह हवा में लड़ रही है। सोशल मीडिया में पोस्ट और यू ट्यूब वीडियो के लाइक व व्यूज गिन कर अपनी लड़ाई जीत रही है। ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू ट्यूब पर व्यूज व लाइक से कांग्रेस यह बता रही है कि राहुल गांधी अब नरेंद्र मोदी से ज्यादा लोकप्रिय हो गए। सोशल मीडिया से नैरेटिव बनाने का मुगालता कांग्रेस ने पाला है। इन्फ्लूएन्सर्स बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में अब राहुल की पोस्ट को नरेंद्र मोदी से ज्यादा लोग देख रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा कि संसद के पिछले सत्र में विश्वास मत पर हुई बहस में राहुल के भाषण को नरेंद्र मोदी के जवाब के मुकाबले ज्यादा लोगों ने देखा। कांग्रेस उस पर ऐसे उछलने लगी, जैसे राहुल ने मोदी को हरा दिया हो। इसी तरह विश्व कप क्रिकेट का फाइनल मैच हारने के बाद मोदी के लिए सोशल मीडिया में पनौती ट्रेंड हुआ तो राहुल गांधी ने अपने भाषण में मोदी को पनौती बता दिया। क्या सोशल मीडिया का ट्रेंड देख कर भाषण का कंटेंट तय होगा? हर महीने एक आंकड़ा आता है, जिसमें बताया जाता है कि डिजिटल कंटेंट में 3० सबसे लोकप्रिय लोगों में 25 से ज्यादा ऐसे हैं, जो नरेंद्र मोदी और भाजपा के विरोधी हैं। डीबी लाइव से शुरू करके सत्य हिंदी तक और पुण्य प्रसून वाजपेयी से लेकर आशुतोष, अभिसार शर्मा से लेकर आरफा खानम शेरवानी तक के कंटेंट काफी देखे जाते हैं। इसमें यह भी बताया जाता है कि भाजपा और मोदी समर्थकों में सिर्फ दो-चार ही लोग लोकप्रिय हैं।

ये मूर्खता भरे आभासी दुनिया के आंकड़े हैं, जिनका वास्तविकता से दूर दूर तक नाता नहीं होता है। कांग्रेस के नेताओं को यह समझ में ही नहीं आता है कि यू ट्यूब का अल्गोरिद्म कैसे काम करता है और वहां किस तरह से चैनल के सब्सक्राइबर और फॉलोवर बनते हैं। यू ट्यूबर्स या सोशल मीडिया इन्फ्लूएन्सर्स एक वैचारिक लाइन पकड़ते हैं और उस पर बढ़-चढ़ कर दावे करते हैं, जिससे उनकी फॉलोवर्स की संख्या बढ़ती जाती है। जैसे जिन लोगों ने मोदी विरोध की लाइन पकड़ी है वे बहुत लोकप्रिय इसलिए हैं कि क्योंकि मोदी विरोधी लोग, जिसमें बड़ा हिस्सा भाजपा विरोधी पार्टियों के समर्थकों और मुस्लिम समुदाय के लोगों का है, उनके वीडियो देखते हैं और उसे पसंद करते हैं। सारे यू ट्यूबर्स उनको खुश रखने के लिए बढ़ चढ़ कर मोदी विरोध करते हैं। हर चुनाव में भाजपा को हारते और कांग्रेस को जीतते दिखाते हैं। वे अपनी चुनी इस लाइन से नहीं हट सकते हैं क्योंकि जैसे ही वे वस्तुनिष्ठ होंगे उनको लोग अनसब्सक्राइब करने लगेंगे। वे अपने सब्सक्राइबर के बंधक हो जाते हैं। तभी हर बार गलत साबित होने के बाद भी किसी न किसी आंकड़े से उसको जस्टिफाई करते हैं।

इस तरह से यू ट्यूबर्स गुजरात में भी कांग्रेस को जीता रहे थे और पांच राज्यों के चुनाव में भी कांग्रेस की जीत का दावा कर रहे थे। योगेंद्र यादव ने पांचों राज्यों में कांग्रेस की जीत का गणित समझाया था, जिससे कांग्रेस में ऐसी हवा भरी थी कि कई राज्यों में नतीजों से पहले नेताओं ने होर्डिंग और पोस्टर बनवा लिए थे। पुण्य प्रसून वाजपेयी ने नतीजों से दो दिन पहले एक वीडियो यू ट्यूब पर डाला था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि 'आएगा तो मोदी ही कहने वालों तक का भ्रम टूटने लगा है'। नतीजों से एक दिन पहले वीडियो बनाया, 'इंतजार कीजिएज्कल का जनादेश बदल देगा देश के हालात'! इन दोनों वीडियो को यू ट्यूब पर करीब 1०-1० लाख व्यूज मिले। उनका काम व्यूज बटोरना है लेकिन कांग्रेस नेता इस भ्रम में थे कि सचमुच चुनाव जीत रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सोशल मीडिया के सहारे ही चुनावी लड़ाई लडने़ से कांग्रेस का नुकसान हुआ है लेकिन उसके अलावा कांग्रेस के पास मजबूत संगठन नहीं है, वैचाकि एकरूपता नहीं है, राजनीतिक अभियानों में निरंतरता की कमी है, आपसी तालमेल कमजोर है और जमीनी स्तर पर लडने़ की मशीनरी नहीं है। इन मुद्दों पर कल चर्चा करेंगे।

सू- दोकू क्र.016

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.15 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

ईवीएम का विवादित मसला

अगर ईवीएम अविश्वसनीय हैं, तो फिर कांग्रेस या संपूर्ण विपक्ष को इस मुद्दे को एक संगठित ढंग से उठाना चाहिए। साथ ही इन दलों को यह कहना चाहिए कि वे चुनाव में भाग तभी लेंगे, जब इन्हें विश्वसनीय विधि से कराया जाएगा।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस को दो बड़े नेताओं- दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ने जो कहा है, उसका संकेत है कि वे राज्य में अपनी पार्टी की हुई हार को स्वीकार करने से इनकार कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने साफ कहा है कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा नहीं है। इसके पहले जब एक एग्जिट पोल में भाजपा को 16० से अधिक सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था, तब सिंह ने ट्विट कर उस सर्वे एजेंसी के कर्ताधर्ता की साख पर सवाल उठाया था। कमलनाथ ने संदेह जताया है कि उस सर्वे एजेंसी को पहले से नतीजा पता था, और उसने ऐसे परिणाम के बारे में पहले से माहौल बनाने की कोशिश की। स्पष्टत- ये गंभीर आरोप हैं। इनकी गंभीरता इसलिए अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि इनका सीधा संबंध भारतीय लोकतंत्र की साख से है। लोकतंत्र का यह अनिवार्य तत्व है कि उसमें होने वाले चुनावों में सभी सहभागी पक्षों का यकीन बना रहे। तभी राजनीतिक दल अपनी हार को सहजता से स्वीकार करते हैं।अपेक्षा यह होती है कि पार्टियां अपनी हार को इस रूप में स्वीकार करें कि इस बार वे मतदाताओं का पर्याप्त समर्थन नहीं जुटा पाए। लेकिन अगर दल यह मानें कि मतदाताओं का बहुमत उनके साथ था, लेकिन किसी प्रकार की धांधली से जीत उनसे छीन ली गई, तो फिर चुनाव और लोकतंत्र दोनों की साख खतरे में पड़ जाती है। इसीलिए दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बयानों को हलके से नहीं लिया जा सकता। इन बयानों से कई प्रश्न उठे हैं। मसलन, यह कि जब कांग्रेस जीत जाती है, वहां उसके नेता ऐसे सवाल क्यों नहीं उठाते? फिर ऐसे प्रश्न चुनाव नतीजे आने के बाद क्यों उठाए जाते हैं? अगर ईवीएम अविश्वसनीय हैं, तो फिर कांग्रेस या संपूर्ण विपक्ष को इस मुद्दे को एक संगठित ढंग से उठाना चाहिए। साथ ही उसे यह बताना चाहिए कि किस विधि से होने वाले चुनाव को वह विश्वसनीय मानेगा। उसे यह कहना चाहिए कि जब तक उसकी शर्तें पूरी नहीं होतीं, वह चुनावों में भाग नहीं लेगा। वरना, चुनावों के बाद ऐसे आरोप अंगूर खट्टे हैं, वाली कहावत की श्रेणी में माने जाएंगे।(आरएनएस)

अभिनव कुमार मिले एनएसए चीफ अजीत डोभाल से

संवाददाता

नई दिल्ली। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने एनएसए चीफ अजीत डोभाल से मुलाकात कर प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा की जानकारी दी। आज यहां पुलिस महानिदेशक अभिनव ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर) अजीत डोभाल से मुलाकात कर राज्य की आंतरिक सुरक्षा की जानकारी दी। राज्य में राष्ट्रीय सुरक्षा के अनेक संस्थान व उनके मुख्यालय हैं। ऐसे में ये मुलाकात बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस दौरान दोनों ने कई मुद्दों पर चर्चा की तथा एक दूसरे से कई मुद्दों पर अनुभव सांझा किये।

ज्वैलर्स एसोसिएशन ने एसएसपी उधमसिंहनगर को किया सम्मानित

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। खटीमा क्षेत्र में हुए ज्वैलर्स हत्याकांड का त्वरित खुलासा करने पर ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा एसएसपी ऊधम सिंह नगर को सम्मानित किया गया है।

ज्वैलर्स एसोसिएशन खटीमा द्वारा आज एसएसपी ऊधम सिंह नगर डॉ. मंजुनाथ टी सी को खटीमा क्षेत्र में कुछ दिन पूर्व हुए ज्वैलर्स हत्याकाण्ड का मात्र 8 घण्टे में खुलासा करने पर सम्मानित किया गया है। ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा खटीमा पुलिस व एसओजी का भी इस खुलासे हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस दौरान एसएसपी द्वारा ज्वैलर्स एसोसिएशन से खटीमा क्षेत्र के किसी चौराहे या तिराहे पर कैमरे लगवाने का अनुरोध किया गया। जिस परं ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जल्द ही कैमरे लगाने हेतु सहमति जताई गयी है।

संसद की सुरक्षा में फिर बड़ी..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

पुलिस और आईबी के अधिकारियों द्वारा उनसे पूछताछ की जा रही है।

आज ही के दिन 13 दिसंबर 2001 को संसद भवन पर हुए आतंकी हमले की 22वीं बरसी के अवसर पर जब संसद भवन में बने शहीद स्मारक में हमारे सांसदों द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि दी जा रही है उसी दिन एक बार फिर संसद की सुरक्षा में हुई चूक के मामले ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। 13 दिसंबर 2001 को पाक के आतंकी संगठन लश्करे तैयबा के आत्मघाती दस्ते ने संसद में ताबड़ तोड़ गोलियां बरसाकर देश को दहलाने का काम किया गया था इस हमले में पांच आर्तांकियों सहित 14 लोगों की जान चली गई थी। तत्कालीन अटल के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इसे देश के लोकतंत्र पर हमला करार दिया था।

महिलाओं को सक्षम बनाना ही सशक्तिकरण है: कपूर

संवाददाता

देहरादून। कैण्ट विधायक श्रीमती सविता कपूर ने कहा कि समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तिकरण है।

आज मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन द्वारा गोविंदगढ़ स्थित आजाद कॉलोनी के सामुदायिक भवन में महिला सशक्तिकरण पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कैंट विधायक श्रीमती सविता कपूर की रही। इस अवसर पर महिलाओं को स्वस्थ रखने के लिए सेनेटरी नैपकिन भी वितरित किए गए इस मौके पर उनको स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा कि महिला सशक्तीकरण को बेहद आसान शब्दों में परिभाषित किया जा सकता है कि इससे महिलाएं शक्तिशाली बनती है जिससे वह अपने जीवन से जुड़े सभी फैसले स्वयं ले सकती है और परिवार और समाज में

अच्छे से रह सकती है। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तीकरण है।

इस अवसर पर संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन ने कहा कि समाज की आधी आबादी स्त्रियों की है, इस बाबत उनके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि यदि किसी समाज की प्रगति के बारे में सही-सही जानना है तो उस समाज की स्त्रियों की स्थिति के बारे में जानो। कोई समाज कितना मजबूत हो सकता है, इसका अंदाजा इस बात से इसलिए लगाया जा सकता है क्योंकि स्त्रियाँ किसी भी समाज की आधी आबादी हैं। बिना इन्हें साथ लिए कोई भी समाज अपनी संपूर्णता में बेहतर नहीं कर सकता है। समाज की आदिम संरचना से सत्ता की लालसा ने शोषण को जन्म दिया है। मेरा यही कहना है कि आप सब भी अपने आप को सशक्त कर अपना परिवार का और देश देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे। इस अवसर पर प्रदेश कानूनी सलाहकार राजकुमार तिवारी, महानगर सचिव रेखा निगम, विशंभर नाथ बजाज, अंजली राणा, कृष्णा आदि लोग मौजूद रहे।

टैम्पों की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत

संवाददाता

देहरादून। टैम्पों ट्रेवल की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रावली महदूद सिडकुल निवासी विजय पाल अपनी ई-रिक्शा से सवारी लेकर ऋषिकेश आया था तथा वहां से सवारी लेकर वापस हरिद्वार की ओर चला जब वह खण्ड गांव रायवाला के पास पहुंचा तभी उसकी ई-रिक्शा पर एक टैम्पो ट्रेवल ने टक्कर मार दी जिससे विजय पाल व ई-रिक्शा में बैठी सवारियां घायल हो गयी जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर विजय पाल की उपचार के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के भाई करन सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

संसद हमले में शहीद हुए सुरक्षा कर्मियों को किया याद

देहरादून (सं)। 13 दिसम्बर 2001 को संसद में हुए हमले में शहीद हुए सुरक्षा कर्मियों को उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने याद कर उनको श्रद्धांजलि दी। आज देश की संसद भवन में 13 दिसंबर 2001 को संसद के अंदर सुरक्षा कर्मियों को आतंकवादियों ने मार गिराया था। जिससे उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के कार्यकर्ताओं ने उन शहीद होने वाले शहीदों को याद किया। शहिद स्मारक कचहरी परिसर में इस मौके पर संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार और प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने कहा कि उन शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि आतंकवाद को मिलकर समाप्त किया जाए तभी देश सुरक्षित रह सकता है। शहीदों को श्रद्धांजलि देने वालों में आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के संरक्षक नवनीत गुसाई, प्रदेश अध्यक्ष विपुल नौटियाल, जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, धर्मानंद भट्ट, अभय कुकरेती, बलेश बवानिया आदि शामिल रहे हैं।

सडक किनारे खड़ा डम्पर चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने सडक किनारे खडे डम्पर को चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फतेहपुर एडनबाग निवासी राकेश जैन ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका डम्पर जमनीपुर के पास खडा था। आज प्रातः जब वह वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसका डम्पर अपने स्थान से गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

-नशा तस्करों पर एसटीएफ की बड़ी कार्यवाही-

एक करोड़ से अधिक की चल-अचल सम्पत्ति सीज

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करों पर वित्तीय प्रहार करते हुए करते हुए एसटीएफ द्वारा उनकी नशा तस्करी से अर्जित की गयी एक करोड़ से अधिक की चल अचल सम्पत्ति सीज की गयी है।

एसटीएफ कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बीती 16 जून को एसटीएफ द्वारा थाना श्यामपुर, जनपद हरिद्वार में 2 नशा तस्करों शहजाद खान पुत्र वैदियार खान निवासी विहारकलां थाना इज्जतनगर जनपद बरेली यूपी व शराफत अली पुत्र फईम निवासी कुंजाग्राण्ट थाना विकासनगर जनपद देहरादून को गिरफ्तार किया गया था। जिनके कब्जे से 300 ग्राम स्मैक बरामद की गयी थी। पूछताछ में दोनों आरोपियों द्वारा बताया गया कि मादक पदार्थों की तस्करी में काफी मुनाफा होता है इसलिए वह मिलकर कुंजाग्राण्ट थाना विकासनगर क्षेत्र में स्मैक बेचने का काम साथ मिलकर कर रहे थे। एसटीएफ को नशे के कारोबार में लिप्त दो अन्य लोगों सलमान पुत्र आबिद निवासी कुंजाग्राट विकासनगर व शहादत खान पुत्र तैयब खान निवासी बरेली की भी जानकारी मिली। जिन्हे अथक प्रयास के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। एसटीएफ द्वारा जब इनकी फाइनेंसियल जांच की गयी तो आरोपी सलमान खान व शराफत अली तथा उसके परिजनों के बैंक खातों की डिटेल से पता चला कि शराफत अली के खातों में भिन्न-भिन्न लोगों के द्वारा विगत एक वर्ष में लाखों रूपये जमा कराया गया है। शराफत की मां साउदा व भाई रिकाकत ने पूछताछ में बताया कि उनके नाम से भी बैंक खाते खोल रखे है जिनमें शराफत अली लोगों से तस्करी से प्राप्त रूपये जमा करवाता था। उक्त खातों की डिटेल खंगाली गई तो उनमें भी लाखों का लेनदेन होना पाया गया। जिस पर एसटीएफ द्वारा उनकी अवैध सम्पत्ति की जानकारी निकालते हुए सलमान, शराफत व उनके परिजनों द्वारा इस अवैध व्यापार से 1 करोड़ से अधिक अर्जित की गयी अवैध चल व अचल सम्पत्ति को सीज कर हुए उन सभी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है। साथ ही आरोपियों के चार प्लाट जिनकी कीमत 92 लाख व दो वाहन जिनकी कीमत 11 लाख रूपये बतायी जा रही है।

एक नजर

अजब गजबः जमानत किसी और की रिहा हुआ कोई और

हरियाणा (हसं)। अंबाला जेल में इन दिनों एक अजब गजब मामला सामने आया है। यहां जमानत तो हुई किसी और कैदी की लेकिन जेल प्रशासन की लापरवाही के चलते रिहा किसी और कैदी को कर दिया गया है। मामला संज्ञान में आने पर हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने जेल महानिदेशक को जांच के निर्देश दिये है। गृह मंत्री अनिल विज ने कहा है कि इस घटना के संबंध में उन्होने जेल प्रशासन से भी बात की थी जिनके द्वारा उन्हे बताया गया कि जिस व्यक्ति को जमानत दी गई थी, उसके स्थान पर गलती से किसी अन्य व्यक्ति को रिहा कर दिया गया है। यह मामला गृहमंत्री अनिल विज के संज्ञान में तब आया जब वह मंगलवार को अंबाला स्थित अपने आवास पर जन शिकायतों को सुन रहे थे। एक परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि जमानत मिलने के बावजूद जेल प्रशासन उनके परिवार के सदस्य को रिहा नहीं कर रहा है साथ ही जेल प्रशासन द्वारा पीड़ित कैदी के खिलाफ फजी मामला भी दर्ज कर लिया गया है। इसके बाद गृहमंत्री विज ने जेल महानिदेशक से फोन पर बात की और उन्हें मामले की जांच करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दरअसल अंबाला के गांव बलाणा निवासी एक परिवार के सदस्यों ने जेल प्रशासन पर आरोप लगाया कि उनका बेटा झगड़े के मामले में अंबाला केंद्रीय जेल में था। उसकी पिछले दिनों जमानत हो गई थी। परिवार के लोग जब बेटे को लेने जेल पहुंचे तो जेल प्रशासन ने उन्हें बताया कि उनका बेटा पहले ही जमानत पर छूटकर घर चला गया है। इसके बाद यह मामला सामने आने पर अफरा तफरी मची हुई है।

पुलिस बूथ उठाकर ले गए चोर

गाजियाबाद । मुरादनगर थाना क्षेत्र स्थित छोटा हरिद्वार के नाम से प्रसिद्ध गंग नहर के ऊपर मंदिर और घाट की सुरक्षा के लिए एक पुलिस बूथ स्थापित किया गया था। इस बूथ में पुलिसकर्मी सर्दी, गर्मी और बरसात से बचने के लिए बैठ जाते थे। अब इसे किसी ने चोरी कर लिया है। मंदिर के महंत ने पुलिस बूथ चोरी होने की शिकायत थाने में दी है। छोटा हरिद्वार के घाट पर यह पुलिस बूथ आम लोगों के सहयोग से करीब चार तीन साल पहले बनाया गया था और इसके उदघाटन के लिए मेरठ रेंज के एडीजी आए थे। उस समय दावा किया गया था कि ड्यूटी के दौरान थक जाने पर पुलिसकर्मी इस बूथ में थोड़ी देर बैठकर विश्राम कर सकेंगे। अब पुलिस बूथ चोरी होने के बाद छोटा हरिद्वार स्थित प्राचीन शनि मंदिर के महंत मुकेश गोस्वामी ने पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी है। उन्होंने इस बूथ के चोरी होने में एक बड़ी साजिश की आशंका जताते हुए इसकी तलाश कराने और दोबारा से इसे घाट पर स्थापित कराने की मांग की है। महंत के मुताबिक पिछले मेले में फूड पॉइंट के संचालक हाजी तौहीद आलम व उसके साथियों ने क्रेन की मदद से इएस बूथ को उठवा कर अपनी दुकान के पीछे रखवा दिया था।

मुसलमानों के पास पावर तो है, लेकिन एकता नहीं: फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली। एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट के आर्टिकल 370 पर फैसले से हताश होकर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि जहन्नुम में जाए कश्मीर। वही अब उन्होंने मुसलमानों में पावर और एकता की बात कही है। दरअसल, हमास और इजरायल के बीच चल रही खूनी जंग को दो महीने से ज्यादा का वक्त हो गया है। युद्ध में अब तक 17 हजार से ज्यादा फिलिस्तनियों को मौत हो चुकी है, जिस पर अब फारूक अब्दुल्ला का बयान आया है। दरअसल,7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से इजरायल का लगातार गाजा एरिया में हमला जारी है। इस बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने चल रही जंग पर एक बार फिर बयान दिया है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुसलमानों के पास पावर तो है, लेकिन एकता नहीं है।उन्होंने कहा कि जमाना बदल रहा है, लेकिन मुसीबत यह है कि हम समझ नहीं रहे कि इसका जिम्मेदार कौन है? इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रही खूनी जंग बंद नहीं होने का नाम नहीं ले रही है। इसी के साथ उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति खुद वहां गए, लेकिन इसके बावजूद युद्ध नहीं रूक रही। मुझे अमेरिका पर नहीं, बल्कि मुसलमान देशों पर अफसोस है। क्योंकि मुस्लिम मुल्क एक नहीं हैं। उन्होंने ने कहा कि हमारे (मुस्लिम देशों) पास ताकत तो है, लेकिन एकता नहीं है।

काली मन्दिर को अपवित्र करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। काली मन्दिर का दरवाजा तोडकर मन्दिर को अपवित्र करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों ने कहा कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि थाना डोईवाला पर गत दिवस विनोद कुमार (पार्षद वार्ड) निवासी हर्रावाला थाना डोईवाला द्वारा मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि मे एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा काली मन्दिर हर्रावाला मे पेशाब कर मन्दिर का दरवाजा तोडा गया है, जिससे लोगो की धार्मिक भावनाए आहत हुयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक डोईवाला द्वारा तुरन्त घटना की जानकारी उच्चाधिकारियो को दी गयी, घटना के सम्बन्ध मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत उक्त घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर थाना क्षेत्र व जनपद मे शान्ति/कानून व्यवस्था एवं आपसी सौहार्द सुचारू रखने हेतु आरोपी को शीघ्र

गिरफ्तार कर घटना का खुलासा करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किये गये। निर्गत आदेश-निर्देश क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निकट पर्यवेक्षण मे

❑परिजनों ने बताया मानसिक रुप से विक्षिप्त

थाना डोईवाला पर प्रभारी निरीक्षक डोईवाला के नेतृत्व में अलग अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटैज के आधार लगातार आरोपी की तलाश करते हुए करीब 200-250 सीसीटीवी कैमरो का अवलोकन कर उच्चस्तारीय जांच करते हुए उक्त आरोपी का व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने के फलस्वरूप आज मेहूँवाला देहरादून से आरोपी सद्दाम पुत्र आरफ अली निवासी नयानगर मेहूँवाला थाना पटेलनगर देहरादून को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार आरोपी के सम्बन्ध मे जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि आरोपी मानसिक रूप से विक्षिप्त है एवं वर्तमान मे मानसिक चिकित्सालय सेलाकुई, देहरादून मे उपचाराधीन है। आरोपी की वास्तविक मानसिक स्थिति सम्बन्ध मे विस्तृत जानकारी ली जा रही है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

सदन की कार्यवाही जारी रखकर मामूली घटना साबित करने की कोशिश

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। संसद के अंदर और बाहर चार लोगों की गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय नेतृत्व और लोकसभा अध्यक्ष ने इस बड़ी और अति गंभीर घटना को मामूली साबित करने का प्रयास करते हुए लोकसभा की कार्यवाही 2 बजे फिर शुरू की गई। लेकिन सदन में लोकसभा अध्यक्ष ओउम बिड़ला के पहुंचते ही नेता विपक्ष व अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। विपक्ष का कहना था कि यह कोई मामूली या सामान्य सी घटना नहीं है इसलिए पहले संसद की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तभी संसद की कार्यवाही चलेगी।

❑विपक्ष की मांग पहले सदन की सुरक्षा सुनिश्चित करें फिर चले करवाई

विपक्षी सांसदों के सवालों पर अध्यक्ष ओउम बिड़ला ने उन्हें समझाने का प्रयास किया कि आपकी चिंता सिर्फ आपकी नहीं है हमारी चिंता भी है। हम सदन की कार्यवाही के बाद इस मुद्दे पर बैठकर बात करेंगे और आपके सुझावों पर गौर करेंगे। उन्होंने कहा कि धुएं की प्रारंभिक जांच कर ली गई वह सामान्य धुंआ ही था। आरोपी गिरफ्तार है और उनसे पूछताछ हो रही है। चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है इसलिए सदन की कार्यवाही संचालित करने दे। लोकसभा अध्यक्ष का इशारा था कि सदन की कार्यवाही संचालित कर वह यह संदेश देना चाहते हैं कि यह एक मामूली घटना थी और ऐसी घटनाएं हमें डरा नहीं सकती हैं हिला नहीं सकती हैं।

लापता रेंजर का शव भीमताल झील से बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी से कई दिनों से लापता चल रहे रेंजर का शव भीमताल झील से बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह स्थानीय लोगों को भीमताल झील में एक शव तैरता हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को झील से बाहर निकाला और तलाशी ली। जिसमें लापता रेंजर हरीश चंद्र पांडेय के रूप में शव की शिनाख्त की गयी। बताया जा रहा है कि भीमताल हल्द्वानी मार्ग पर पशु अस्पताल के पास स्थानीय लोगो ने झील में बोट स्टैंड के पास शव देखा। जिस पर उन्होंने भीमताल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से शव को झील से बाहर निकाला और तलाशी लेने पर शव से मिले पर्स में रेंजर हरीश चंद्र पांडे की फोटो, बिल और कुछ पैसे बरामद

हुए। पुलिस द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से शव को सड़क पर लाया गया वहां से भीमताल अस्पताल में ले जाया गया। बताया जा रहा है कि यह शव रेंजर का है, जो कई दिनों से हल्द्वानी से लापता थे और उनकी आखिरी लोकेशन भीमताल में देखी गई थी जिसके बाद परिजन और पुलिस द्वारा उनकी खोजबीन की जा रही थी।

नाबालिग से काम कराने पर तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। दुकान पर नाबालिगों से काम कराने पर तीन लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रम प्रवर्तन अधिकारी अश्विनी कुमार ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने बालावाला में सदद्म की ऑटो रिपोंरिग की दुकान, प्रकाश बोरा की दुकान व फरहान की वैडिंग की दुकान पर छापा मारा तो वहां पर काम कर रहे नाबालिग बच्चों को वहां से मुक्त कराया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ बाल श्रम का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।